Fourteenth Loksabha

Session : 9
Date : 07-12-2006

Participants : Virendra Kumar Shri

an>

Title: Need to protect peacocks in the Country.

श्री वीरेन्द्र कुमार (सागर): सभापति महोदय, राट्रीय पक्षी मोर का अस्तित्व खतरे में नजर आ रहा है। जिस मोर का महत्व पौराणिक काल से भगवान कृण के मुकुट की शोभा बढ़ाने के रूप में जाना जाता था, आज भी दीपावली की पूजा में विशेा महत्व रखता है तथा धार्मिक अवसरों पर होने वाले नृत्यों में भी मोर नृत्य का प्रदर्शन होने पर नृत्य करने वाले अनायास ही दर्शकों का ध्यान अपनी ओर आकर्ति कर लेते हैं। सावन के महीने में बारिश की शुरूआत होने पर स्थान-स्थान पर मोर पर्यटन केन्द्रों पर बड़े-बड़े होटलों में विदेशी पर्यटकों को महंगी दरों पर मोर का मांस परोसा जा रहा है। इस कार्य में न सिर्फ उन पर्यटन केन्द्रों के आसपास के गांवों के ग्रामीण मोरों की हत्या कर चोरी छिपे होटलों में बेच देते हैं बल्कि पेशेवर शिकारियों द्वारा भी इस कार्य को अ वैध रूप से बड़े पैमाने पर किया जा रहा है।

महोदय, विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल खजुराहो के समीप लौंडी रेंज की बम्होरी बीट में राट्रीय पक्षी मोर का अवैध शिकार का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। क्षेत्र के दलपतपुरा, बम्होरी, बहादुरजू, अतर्रा, गोमाखुर्द, गुना पुरवा और नवादा आदि गांवों में रात के वक्त शिकारी तेज रोशनी वाली टार्चें लेकर जंगलों में घूमते हैं और टार्च की रोशनी में वृक्षों के ऊपर बैठे मोरों को अपनी बंदूक की गोलियों का निशाना बना देते हैं। भूख और प्यास के कारण बेहाल मोर शिकारियों को देखकर ज्यादा भाग नहीं पाते। इसलिए कई बार तो शिकारी उन्हें कुछ दूर दौड़ाने के बाद लाठियों से पीटकर भी मौत के घाट उतार देते हैं। इस क्षेत्र में 5 र्वा पूर्व 10 हजार से अधिक मोर थे। धीरे-धीरे उनका शिकार होता गया और अब इस इलाके में मात्र 3 हजार के आसपास मोरों की संख्या रह गई है। शाकाहारियों एवं बुद्धिजीवियों ने इस पर गहरी चिन्ता प्रकट की है।

महोदय, मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि सारे देश में एक विशेा संरक्षण अभियान चलाकर मोरों के शिकार की गोपनीय जांच कराकर दोाी व्यक्तियों के विरुद्ध कड़े कदम उठाने की कार्रवाई करें ताकि राट्रीय पक्षी मोर को बचाया जा सके।